

कोरोना का कहर और 'जनता कर्फ्यू' का महत्व

March 21, 2020 | 4 minutes read



डॉ.भरत राज सिंह, महानिदेशक (तकनीकी), एसएमएस, लखनऊ



लखनऊ : चीन के वुहान शहर में मध्य दिसंबर 2019 से शुरू हुआ कोरोना वायरस अब तक 170 से ज्यादा देशों में पहुंच गया है, जिनमें मुख्यत थाईलैंड, ईरान, इटली, जापान, सिंगापुर, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया, मलेशिया, अमेरिका, फ्रांस, जर्मनी और संयुक्त अरब अमीरात शामिल हैं। इसके संक्रमण से मरने वाले लोगों की संख्या 11,401 हो गई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने इसे महामारी घोषित कर दिया है। दुनिया भर की सरकारें कोरोना वायरस को लेकर लोगों को जागरूक करने पर ध्यान दे रही हैं। जानकारों का कहना है इसके संक्रमण को फैलने से रोककर ही इसे काबू में किया जा सकता है। इसके लक्षणों को पहचानकर ही कोरोना वायरस की बेहतर तरीके से रोकथाम की जा सकती है।

क्या है कोरोना वायरस!

लैटिन भाषा में कोरोना का अर्थ 'मुकुट' होता है और इस वायरस के कणों के इर्द-गिर्द उभरे हुए कांटे जैसे ढांचों से इलेक्ट्रान सूक्ष्मदर्शी में मुकुट जैसा आकार दिखता है, जिस पर इसका नाम रखा गया था। यह वायरस भी जानवरों से आया है। कोरोना वायरस का संबंध वायरस के ऐसे परिवार से है, जिसके संक्रमण से जुकाम से लेकर सांस लेने में तकलीफ जैसी समस्या हो सकती है। इस वायरस को पहले कभी नहीं देखा गया है। इस वायरस का संक्रमण दिसंबर में चीन के वुहान में शुरू हुआ था। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक, बुखार, खांसी, सांस लेने में तकलीफ इसके लक्षण हैं। अब तक इस वायरस को फैलने से रोकने वाला कोई टीका नहीं बना है।

क्या हैं इस बीमारी के लक्षण

इसके लक्षण फ्लू से मिलते-जुलते हैं। संक्रमण के फलस्वरूप बुखार, जुकाम, सांस लेने में तकलीफ, नाक बहना और गले में खराश जैसी समस्या उत्पन्न होती है। यह वायरस एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैलता है, इसलिए इसे लेकर बहुत सावधानी बरती जा रही है। कुछ मामलों में कोरोना वायरस घातक भी हो सकता है। खासतौर पर अधिक उम्र के लोग और जिन्हें पहले से अस्थमा, डायबिटीज़ और हार्ट की बीमारी है।

क्या हैं इससे बचाव के उपाय

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने सात आसान स्टेप्स बताए हैं, जिनकी मदद से कोरोना वायरस को फैलने से रोका जा सकता है और खुद भी इसके इंफेक्शन से बचा जा सकता है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कोरोना वायरस से बचने के लिए दिशानिर्देश जारी किए हैं, इनके मुताबिक, हाथों को साबुन से धोना चाहिए। अल्कोहल आधारित हैंड रब का इस्तेमाल भी किया जा सकता है। खांसते और छींकते समय नाक और मुंह रूमाल या टिशू पेपर से ढककर रखें। जिन व्यक्तियों में कोल्ड और फ्लू के लक्षण हों उनसे दूरी बनाकर रखें। अंडे और मांस के सेवन से बचें। जंगली जानवरों के संपर्क में आने से बचें।



भारत में संक्रमण के 283 मामले, रोकने की पहल

भारत में कोरोना से संक्रमण के मामलों की संख्या है। इनमें 2144 भारतीय और 39 विदेशी नागरिक हैं। कोरोना ने अब तक 170 देशों को अपनी चपेट में ले लिया है। केरल में 26 लोगों में कोरोना के लक्षण पाए गए हैं। हालांकि, इनमें से 3 लोगों का इलाज हो चुका है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चीन के वुहान शहर से शुरू हुए इस महामारी संक्रमण को रोकने के लिए चीन को दवाये, सैंटीनाइजर व मास्क की खेप भेजवाया तथा चीन में फसे भारत तथा अन्य देशों के नागरिकों को एयरलिफ्ट कराकर, उन्हें अलग डिटेंशन केन्द्रों में रखकर इलाज कराकर भेजवाया। यही नहीं, अन्य देशों में रह-रहे व फसे भारतीय नागरिकों, वही पर डाक्टरों को भेजवाकर डिटेंशन केन्द्रों में इलाज करवा जा रहा है।

सार्क देशों के प्रमुखों से पीएम मोदी ने की चर्चा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 15 मार्च 2020, रविवार शाम 5 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कोरोना वायरस पर सार्क देशों के प्रमुखों से चर्चा की। इस चर्चा में अफगानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफ गनी, मालदीव के राष्ट्रपति इब्राहिम सोली, श्रीलंका के राष्ट्रपति गोतबया राजपक्ष, बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना, भूटान के प्रधानमंत्री और नेपाल के

प्रधानमंत्री केपी ओली शामिल हुए। पाकिस्तान के स्वास्थ्य मंत्री इस चर्चा में शामिल हुए। सभी प्रमुखों ने मिलकर कोरोना का मुकाबले करने पर सहमति जताई। इटली में 27,980 लोग जानलेवा वायरस कोरोना की चपेट में आ चुके हैं।

पीएम मोदी ने कोरोना को मानवता के लिए खतरा घोषित किया

प्रधानमंत्री, नरेन्द्र मोदी ने भारतवर्ष में दिनांक 22 मार्च 2020 को 'जनता कर्फू' घोषित कर दिया गया है। सभी माल, सिनेमा घर, दुकाने, धार्मिक स्थलों, आवागमन के लिए ट्रेन, बस सेवा, पर्यटक स्थलो, शिक्षण संस्थानों, कार्यालयों आदि को बंद कर दिया गया है। नागरिकों से आवाहन किया है कि वह सुबह 7 बजे से शाम 9 बजे तक घरों से बाहर न निकले तथा सायं 5 बजे अपने-अपने घरों से बाहर दरवाजे के पास खड़े होकर ताली बजाकर, थाली बजाकर तथा सीटी बजाकर महामारी संक्रमण को दूर करने में दिन-रात लगे डॉक्टरों, प्रसाशनिक अधिकारियों तथा कर्मियों आदि को उनके इस अथक प्रयास हेतु सम्मान प्रकट करें। इसके लिए भारत वर्ष के प्रधानमंत्री, नरेन्द्र मोदी की सराहना विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने की और कई देशों से लगातार प्रशंसा मिल रही है।



'जनता कर्फ्यू' का वैज्ञानिक पहलू

कोरोना वायरस संक्रमण कैसे फैलता है, इसको समझें, जब कोई संक्रमित व्यक्ति खासता या छींकता है तो संक्रमित वायरस की बूंदें दूसरे के ऊपर पहुंच जाती है अथवा जिस स्थान पर वह बैठा है, उसपर एकत्रित हो जाती है और जब कोई अन्य व्यक्ति 10 घंटे के अंदर संपर्क में आ जाता है तो यह कोरोना वायरस उसमें भी पहुंच जाता है और संक्रमित कर देता है। यदि ऐसे व्यक्ति को अलग डिटेंशन केन्द्र में रखा दिया जाता है। जहां से संक्रमण दूसरे में नहीं पहुंचता है और इम्यूनिटी के अनुसार मरीज कुछ 15-29 दिनों में ठीक हो जाता है।

इसी चैन को तोड़ने के लिए पीएम मोदी ने भारत की जनता से आह्वान किया है कि सब लोग जनता कर्फ्यू लगाकर 14 घंटे अगर बाहर निकले और एक दूसरे से न मिले तो कोरोना वायरस के कण मर जायेंगे और इस पर शीघ्र ही नियंत्रण पाया जा सकता है। आइये अपने लिए, परिवार के लिए, अपने पड़ोसी, नाते-रिश्तेदार, साथी-सहयोगी आदि के पूरी मानवता के लिए जनता कर्फ्यू को 'मनसा वाचा कर्मणा' का भाव रखते हुए सफल बनाने में अपना योगदान दे। मानवता बचेगी, विश्व की चेतना बचेगी और आने वाली पीढ़ी भी मजबूत होगी।